Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In May 2016

नए सत्र के विद्यार्थियों की शुरू से ही लगेंगी मोटिवेशन क्लास

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। जीजेयू में नए सत्र में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों को अब प्रथम वर्ष से ही मोटिवेट किया जाएगा। इसके लिए स्वयं कुलपति टंकेश्वर कुमार और रजिस्ट्रार अनिल कुमार पुंडीर भी नए विद्यार्थियों को समय-समय पर मोटिवेट करने के लिए उनके बीच जाएंगे।

लगातार बढ़ रहे कंपीटिशन के चलते विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की प्लेसमेंट बढ़ाना और विद्यार्थियों में प्रेक्टिकल

जीजेयू प्रशासन की पहल

विद्यार्थियों की अंग्रेजी की कमी को भी सुधारने की दिशा में होगा प्रयास

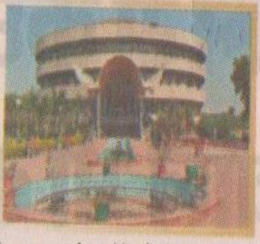

क्लासेस के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए ही विश्‍ विद्यालय यह प्लान बना रहा है।

वि.वि के विद्यार्थियों को थ्योरिटीकल नॉलेज तो पूरी होती है। लेकिन अंग्रेजी में उनका फ्लो न होने और कुछ विभागों में प्रेक्टिकल क्लासेस में उनकी कम रुचि के कारण वे इंडस्ट्री के लिहाज से पिछड़ जाते हैं। प्रेक्टिकल करवाने के लिए विवि में पर्याप्त संसाधन भी हैं। लेकिन कुछ डिपार्टमेंट में विद्यार्थियों की प्रेक्टिकल में रुचि दिखाई नहीं देती। विश्वविद्यालय अब नए सत्र में आने वाले विद्यार्थियों में इस प्रकार की कोई भी कमी नहीं आने देना चाहता। इसलिए विश्वविद्यालय प्लान बना रहा है कि नए सत्र में आने वाले विद्यार्थियों को शुरू से ही प्रेक्टिकल, अंग्रेजी भाषा के प्रति मोटिवेट किया जाएगा। ताकि इंडस्ट्री के लिहाज से विद्यार्थियों को सक्षम बनाया जा सके। वहीं विश्वविद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थियों की प्लेसमेंट हो।

बारहवीं कक्षा के बाद विद्यार्थी डिग्री में दाखिला तो ले लेते हैं। लेकिन उनमें अपने कॅरियर को लेकर ज्यादा जोश नहीं दिखता। ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्रों के साथ अंग्रेजी की समस्या ज्यादा होती है। इसलिए हम प्लान बना रहे हैं कि नए सत्र में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों को शुरू से ही मोटिवेट किया जाए। इसके साथ ही अंग्रेजी सिखाने पर भी काम किया जा रहा है।

- डॉ. अनिल कुमार पुंडीर, रजिस्ट्रार, जीजेयू

अमर उजाला 3/5/16

मददगार तकनीक गुजवि के तीन विद्यार्थियों ने 1500 से 2 हजार में बनाया आटोमैटिक व्हीकल एक्सीडेंट डिटेक्शन एंड मैसेजिंग सिस्टम

दुर्घटना होते ही अपनों के पास बजेगी मदद के लिए घंटी

...ताकि बचाई जा सकें अनमोल जिंदगी

भास्कर न्यूज | हिसार

गाड़ी एक्सीडेंट हो जाए और संभालने वाला कोई न हो। ऐसे में मदद के लिए जद्दोजहद करने की जरूरत नहीं होगी। आपके परिवार, साथी, पुलिस और एंबुलेंस तक एक्सीडेंट की सूचना तुरंत पहुंच जाएगी। इससे जरूरत के समय मदद मिल सकेगी।

इसके लिए तकनीक का सहारा लेते हुए जीजेयू के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग के बीटेक अंतिम वर्ष के विद्यार्थी रजत सैनी, पुनीत और नवीन ढाका ने एक मॉडल सिस्टम तैयार किया है। उन्होंने एक आटोमैटिक व्हीकल एक्सीडेंट डिटेक्शन एंड मैसेजिंग सिस्टम बनाया है। इसमें कई उपकरणों को जोड़कर ऐसा सिस्टम बनाया है। इसके जरिये गाड़ी के एक्सीडेंट होने पर सूचना डिवाइस की मदद से अपने आप पहुंच जाएगी। यह तकनीक हादसे के घायलों की जान बचाने में मददगार साबित होगी।

इस तरह पहुंचेगा मैसेज

विद्यार्थियों द्वारा बनाए सिस्टम में पिजो इलेक्ट्रॉनिक्स सेंसर लगा है। गाड़ी एक्सीडेंट होने पर जब सेंसर पर दबाव पड़ता है तो सिग्नल कंट्रोल पेनल में जाएगा। सिस्टम में लगे सीएसएम मोड्यूल और माइक्रो कंट्रोलर के माध्यम से अलर्ट अलार्म बजेगा और जीएसएम मोड्यूल में जितने नंबर डाले होंगे उन सभी पर एक्सीडेंट का मैसेज पहुंच जाएगा। ऐसे में आपको समय पर मदद मिल सकेगी और घायल की जान बच सकती है। इस मशीन की वर्तमान लागत राशि 1500 से 2 हजार रुपये है।

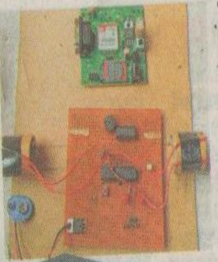

आटोमैटिक व्हीकल एक्सीडेंट डिटेक्सन एंड मैसेजिंग सिस्टम।

आगे क्या लागत कम करना मकसद

विद्यार्थी नवीन, पुनीत और रजत ने बताया कि उन्होंने 7वें सेमेस्टर में प्रोजेक्ट के तहत यह सिस्टम बनाया है। इसके बारे में प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर विजय पाल ने मार्गदर्शन किया और गाइड अजय कुमार की देखरेख में इसे तैयार किया गया। उन्होंने कहा कि दोनों शिक्षकों के सहयोग से तीनों विद्यार्थियों ने मिलकर एक ऐसी मशीन बनाई है जो भविष्य में गाड़ियों में प्रयोग हो सकती है। एक्सीडेंट में मनुष्य की जान बचाने में सहयोगी साबित होगी। भविष्य की उनकी योजना है कि इस सिस्टम की लागत मूल्य कम कर इसका प्रयोग गाड़ियों में हो इसके लिए प्रयास किए जाएंगे।

सिस्टम बनाने वाले जीजेयू के विद्यार्थी नवीन, रजत और पुनीत।

दावा : नई पहल है यह :- विजय पाल ने बताया कि इस मशीन से संबंधित खोज पहले हुई है या नहीं इस बारे में इंटरनेट के माध्यम से खोजा गया था। उनके अनुसार यह एक नई पहल है जिसमें सेंसर का प्रयोग कर एक अलर्ट उपकरण बनाया गया है।

होनहारों की तारीफ... वीसी और विभाग अध्यक्ष ने सराहा

विभाग अध्यक्ष संजीव दुल ने कहा कि जब भी बच्चे नई सोच के साथ कार्य करते हैं तो इसका भविष्य में लाभ होता है और उनमें वैज्ञानिक पद्धति को बढ़ावा मिलता है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को उनके कार्य के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के इस तरह के प्रयासों को बढ़ावा दिया जाए इसके लिए प्रयासरत रहेंगे।

दैनिक भास्कर - 5/5/2016

जीजेयू के स्टूडेंट्स ने तैयार की ऑटोमैटिक व्हीकल एक्सीडेंट डिटेक्शन सिस्टम नामक डिवाइस

गाड़ी एक्सीडेंट होते ही पुलिस, एंबुलेंस फायर ब्रिगेड तक पहुंच जाएगी सूचना

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। यदि आपकी गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया और आप गंभीर रूप से घायल या बेहोश हो गए हैं तो आपको फौरन मदद मिलेगी। एक्सीडेंट होने के तुरंत बाद इसकी सूचना ऑटोमैटिक ही पुलिस, एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड के साथ आपके परिवार तक पहुंच जाएगी। यही नहीं पुलिस तुरंत आपकी गाड़ी की लोकेशन पता कर लेगी। जीजेयू के तीन विद्यार्थियों ने ऑटोमैटिक व्हीकल एक्सीडेंट डिटेक्शन सिस्टम नामक यह डिवाइस तैयार की है। इससे गाड़ी का एक्सीडेंट होने पर तुरंत सहायता मिल सकेगी।

जीजेयू के इलेक्ट्रानिक एंड कम्युनिकेशन विभाग के छात्र रजत सैनी, पुनीत यादव और नवीन ढाका ने मिलकर छह माह में यह डिवाइस तैयार की है।

जीजेयू के छात्र डिवाइस दिखाते हुए।

ऐसे काम करेगा यह सिस्टम

प्रोजेक्ट बनाने वाले ईसीई डिपार्टमेंट के छात्रों ने बताया कि इस ऑटोमैटिक व्हीकल एक्सीडेंट डिटेक्शन सिस्टम में एक पिजो इलेक्ट्रो सेंसर का इस्तेमाल किया गया है, जिसे गाड़ी के आगे लगाया जा सकता है। गाड़ी एक्सीडेंट होने पर ये सेंसर, कंट्रोल बोर्ड को सिग्नल भेजेगा। सिग्नल मिलने पर कंट्रोल बोर्ड पर लगा अलार्म बजने लगेगा। 10 सेकेंड में अलार्म बंद नहीं किया तो पुलिस, एंबुलेंस आदि के पास ऑटोमैटिक मैसेज चला जाएगा।

कंट्रोल बोर्ड पर लगी सिम भेजेगी मैसेज

असिस्टेंट प्रोफेसर विजयपाल सिंह ने बताया कि कंट्रोल बोर्ड पर दो मुख्य डिवाइस लगाई गई हैं, जिनमें से एक है जीएसएम मॉड्यूल और दूसरा है माइक्रो कंट्रोलर चिप। सेंसर से इसी कंट्रोल बोर्ड को सिग्नल मिलते हैं। सिग्नल मिलने के बाद ही जीएसएम में लगी सिम अपना मैसेज भेजने का काम करती है। इसके लिए सिम में नेटवर्क और बैलेंस होना जरूरी है।

अपने हिसाब से फीड करें समय और नंबर : गाइड असिस्टेंट प्रोफेसर अजय कुमार ने बताया कि यदि एक्सीडेंट में ज्यादा चोट वगैरह नहीं आई है और सवारी ठीक है तो 10 सेकेंड से पहले ही अलार्म बंद करना होगा। 10 सेकेंड में अलार्म बंद नहीं किया गया तो मैसेज चला जाएगा। यदि चाहें तो इसके समय को बढ़ा भी सकते हैं।

अमर उजाला 5/5/2016

GJU students create device that will help save lives during accidents

Bhaskar Mukherjee
bhaskar.mukherjee@hindustantimes.com

HISAR: Three students of Guru Jambheshwar University of Science and Technology (GJUST) Hisar have created an innovative device which may help save lives during accidents.

The sensor-based and GPS-enabled device, created by Puneet Kumar, Naveen Dhaka and Rajat Saini, final-year students of electronics communication department, automatically sends SMS messages to emergency numbers, such as police and fire brigade, and family members, giving the location of vehicle involved in an accident.

"The idea to come up with such a device came to us after we read a National Crime Records Bureau (NCRB) report that 16 persons lose their lives every hour due to accidents and most of them don't get proper treatment on time," said Puneet Kumar, while talking to HT.

Students of Guru Jambheshwar University of Science and Technology with a car equipped with the device in Hisar. HT PHOTO

HOW THE DEVICE WILL WORK

Naveen Dhaka, one of the creators of the device, said, "We have used various sensors in the device. The most important of them is pressure sensor with GPS modem installed in it. This small device can be fitted inside of the car during its production and even later. If the car is involved in an accident, it will automatically start sending short message service (SMS) to emergency numbers such as police and the fire-brigade, besides important home contacts, giving the location of the vehicle involved in an accident."

COST OF DEVICE

Rajat Saini said, "The device cost us only ₹1,500 to ₹2,000, which is very nominal. If this project gets patented and automobile companies start using it, we are sure that we will make a better one with many facilities in it."

University vice-chancellor Tankeshwar Kumar said, "We will contact automobile companies that can fit this device in their vehicles. The university will try its best for the commercialisation of the device."

Electronics department chairperson Sanjeev Dhull said the department would help the students in every possible way.

Hindustan times - 5/5/2016

कैंपस प्लेसमेंट करने पहुंची पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड

* 28 विद्यार्थियों का परिणाम एक सप्ताह में आएगा

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल द्वारा गुरुवार को पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड हरिद्वार के सौजन्य से कैम्पस प्लेसमेंट कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कैम्पस प्लेसमेंट कार्यक्रम में एमटेक फूड टेक्नोलॉजी, एमएससी फूड टेक्नोलॉजी, एमएससी बायो टेक्नोलॉजी, एमएससी माइक्रोबायोलोजी, बीटेक फूड टेक्नोलॉजी, बीटेक प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी तथा बीटेक प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी के अंतिम वर्ष के 84 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. एससी गर्ग ने बताया कि पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड कंपनी के चीफ जनरल मैनेजर अतुल कुमार जोशी तथा एडवाइजर, ऑर्गेनाइजेशनल डेवलपमेंट डॉ. वीपी सिंह ने कंपनी के बारे में प्री-प्लेसमेंट प्रजेंटेशन दी। इसके बाद विद्यार्थियों की लिखित परीक्षा हुई। द्वितीय चरण में 59 विद्यार्थी समूह वार्तालाप सत्र के लिए सफल हुए। इसके आधार पर 28 विद्यार्थियों का व्यक्तिगत साक्षात्कार लिया गया। कंपनी द्वारा अंतिम परिणाम एक सप्ताह तक घोषित किया जाएगा।

पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड हरिद्वार की तरफ से आने वाले दिनों में भी मैकेनिकल, प्रिंटिंग और पैकेजिंग के छात्रों का इंटरव्यू लिया जा सकता है। उसमें भी कुछ छात्रों का चयन किया जाएगा। बृहस्पतिवार को हुई कैंपस प्लेसमेंट से भी छात्रों को काफी लाभ मिलेगा।

दैनिक जागरण - 6/5/2016

कैंपस प्लेसमेंट के लिए गुजवि पहुंची पतंजलि

हरिभूमि न्यूज. हिसार

गुजवि ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल द्वारा पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड, हरिद्वार द्वारा कैंपस प्लेसमैंट का आयोजन किया गया। प्लेसमैंट कार्यक्रम में करीब 84 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कंपनी द्वारा परिणाम सप्ताहभर में घोषित कर दिया जाएगा। ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के निदेशक प्रो.एससी गर्ग ने बताया कि पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड कंपनी के चीफ जनरल मैनेजर अतुल कुमार जोशी तथा एडवाइजर, ओरगनाइजेशनल डिवेल्पमैंट डा. वीपी सिंह ने कंपनी के बारे में प्री-प्लेसमैंट प्रेजेंटेशन दी। इसके बाद विद्यार्थियों की लिखित परीक्षा हुई। द्वितीय चरण में 59 विद्यार्थी समूह वार्तालाप सत्र के लिए सफल हुए। इसके आधार पर 28 विद्यार्थियों का व्यक्तिगत साक्षात्कार लिया गया।

इन विभागों से विद्यार्थियों ने लिया भाग

कैंपस प्लेसमैंट कार्यक्रम में एमटैक फूड टैक्नॉलोजी, एमएससी फूड टैक्नॉलोजी, एमएससी बायोटैक्नॉलोजी, एमएससी माइक्रोबायोलोजी के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसके अलावा बी टैक फूड टैक्नॉलोजी, बीटैक प्रिंटिंग टैक्नॉलोजी तथा बीटैक प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टैक्नॉलोजी के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

हरिभूमि - 6/5/2016

जीजेयू : प्लेसमेंट के लिए 28 विद्यार्थियों का हुआ साक्षात्कार

हिसार | जीजेयू में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल की ओर से गुरुवार को पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड, हरिद्वार के सौजन्य से कैम्पस प्लेसमेंट कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कैंपस प्लेसमेंट कार्यक्रम में एमटेक फूड टेक्नोलॉजी, एमएससी फूड टेक्नोलॉजी, एमएससी बायो टेक्नोलॉजी, एमएससी माइक्रोबायोलॉजी, बीटेक फूड टेक्नोलॉजी, बीटेक प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी तथा बीटेक प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी के अंतिम वर्ष के 84 विद्यार्थियों ने भाग लिया। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रो. एससी गर्ग ने बताया कि इसके बाद विद्यार्थियों की लिखित परीक्षा हुई। द्वितीय चरण में 59 विद्यार्थी समूह वार्तालाप सत्र के लिए सफल हुए। इसके आधार पर 28 विद्यार्थियों का साक्षात्कार लिया गया। कंपनी की ओर से अंतिम परिणाम एक सप्ताह तक घोषित किया जाएगा।

दैनिक भास्कर - 6/5/2016

जीजेयू में कैंपस प्लेसमेंट कार्यक्रम

हिसार। जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा वीरवार को पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड हरिद्वार के सौजन्य से कैंपस प्लेसमेंट कार्यक्रम आयोजित किया गया। कैंपस प्लेसमेंट कार्यक्रम में एमटेक फूड टेक्नोलॉजी, एमएससी फूड टेक्नोलॉजी, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी, एमएससी माइक्रोबायोलॉजी, बीटेक फूड टेक्नोलॉजी, बीटेक प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी तथा बीटेक प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी के अंतिम वर्ष के 84 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

अमर उजाला - 6/5/2016

'डिग्री देने से ज्यादा मुश्किल बच्चों को अच्छा इंसान बनाना'

▶▶ गुजवि में मुख्यमंत्री ने किया बच्चों को अच्छे संस्कार देने व नैतिकता का विकास करने का आह्वान

गुरु जंभेश्वर विवि में मुख्यमंत्री मनोहर लाल को शॉल औढ़ाकर सम्मानित करते कुलपति डॉ. टंकेश्वर कुमार तथा (दाएं) गुरु जंभेश्वर विवि में नवनिर्मित हॉस्टल का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

हिसार, 7 मई (काम्बोज) : प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने शनिवार को गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय में लडकों के छात्रावास का उद्घाटन किया और सी. व डी. टाइप हाऊस का शिलान्यास किया। उन्होंने गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय एलुमनी एसोसिएशन की वैबसाइट का भी उद्घाटन किया। इस मौके पर कृषि एवं शुपालन मंत्री ओमप्रकाश धनखड़, मुख्य संसदीय सचिव डा. कमल गुप्ता, विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ी मौजूद थे।

इससे पूर्व विश्वविद्यालय के भागार में समारोह को संबोधित करते न्होंने कहा कि महान पर्यावरणविद् रु जंभेवश्वर जी महाराज के नाम से थापित इस विश्वविद्यालय को र्यावरण संरक्षण की गंभीर चुनौतियों निपटने के उपाय खोजने चाहिए। च्चों को पढ़ाना और पाठयक्रम उत्तीर्ण रवाना उतना मुश्किल नहीं जितना रहा है।

शिक्षक विद्यार्थियों के स्किल डिवैल्पमैंट की ओर दें ध्यान

सी.एम. ने कहा कि विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय होने के नाते यहां के शिक्षकों को विद्यार्थियों के स्किल डिवैल्पमैंट की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश भर में आज कौशल विकास के 1000 से अधिक कोर्स है और हमें इस पर भी ध्यान देना होगा कि किस युवा के लिए कौन सा पाठ्यक्रम उचित है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को पुराने छात्रों की भी चिंता करनी चाहिए।

प्रदेश में विदेश के निवेशक उद्योग लगाने को उत्सुक

उन्होंने कहा कि आज हरियाणा में देश ही नहीं, विदेश से भी निवेशक अपने उद्योग लगाना चाहते हैं। पिछले दिनों गुडग़ांव में आयोजित निवेश स मेलन में 6 लाख करोड़ रुपये के 360 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए जिसके माध्यम से प्रदेश के लाखों युवाओं को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता लाने व भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए सूचना प्रोद्योगिकी का सहारा लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद व साधनहीन लोगों के उत्थान के लिए सरकार द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों के जीवन को आसान बनाने के लिए सरकार सीएम गुड गवर्नेंस एसोसिएट्स तथा अच्छा काम करने वाली संस्थाओं की भी मदद ले रही है।

आज के दौर में कई चुनौतियां : धनखड़

कृषि एवं पशुपालन मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि हर दौर को अपने जमाने की चुनौतियों से निपटना होता है। आज के समय में जल संरक्षण, प्रदूषण, खाद्य पदार्थों की बर्बादी और गौमाता की दुर्गति जैसी अनेक ऐसी चुनौतियां हैं जिनका समाधान विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ और वैज्ञानिक खोज सकते हैं और सरकार की मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक यह उपाय करें कि किसान पराली न जलाएं और पानी की बर्बादी पर रोक लगे। उन्होंने कहा कि हमें 3 करोड़ एकड़ फीट पानी चाहिए जबकि आज हमारे पास केवल 2 करोड़ एकड़ फीट पानी मौजूद है। उन्होंने बताया कि इजराइल में औसतन 25 सेमी से भी कम बारिश होती है जबकि हमारे यहां यह औसत 36 सेमी है। इजराइल अपने यहां होने वाली बारिश के पानी का सदुपयोग करके हमारे मुकाबले अधिक कृषि पैदावार ले रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में बड़ी मात्रा में खाद्य पदार्थों की बर्बादी होती है जिसे कम करके जीरो प्रतिशत पर लाने की जरूरत है ताकि सभी को भरपेट भोजन मिल सके। उन्होंने कई देशों का उदाहरण दिया जहां खाद्यान्न की बर्बादी एक प्रतिशत भी नहीं होती। उन्होंने विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों से आह्वान किया कि वे आज के जमाने की चुनौतियों का हल निकालें और हरियाणा के इस स्वर्ण जयंती वर्ष में प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सरकार का सहयोग करें।

यह विवि विश्व स्तरीय पहचान कायम करे : गुप्ता

मुख्य संसदीय सचिव डॉ. कमल गुप्ता ने गुजवि को हरियाणा के सभी विश्वविद्यालयों में हर मामले में तथा देशभर के तकनीकी विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान पर रहने पर विवि परिवार को बधाई दी और इसे हिसार के लिए गौरव की बात कही। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों को अपने क्षेत्र में चाणक्य की भांति इतना प्रवीण बनने का आह्वान किया कि प्रदेश सरकार भी उनसे सलाह ले। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से जब भारत विश्व गुरु बनेगा तब यह विश्वविद्यालय भी विश्व स्तरीय पहचान कायम करे। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार प्राचीन समय में नालंदा विश्वविद्यालय ने विश्व भर में नाम कमाया था वैसा ही नाम गुरु जंभेवश्व विश्वविद्यालय भी कमाए।

सिंगल गर्ल चाइल्ड को मिलेगा सुपरन्यूमेरिक सीट पर एडमिशन

सुनील बैनीवाल, हिसार

नारी शिक्षा के विकास में गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय प्रशासन ने बेहतरीन कदम उठाया है। छात्राओं को उच्च शिक्षा मुहैया करवाने के लिए सिंगल गर्ल चाइल्ड स्कीम शुरू की है। इस स्कीम के अंतगत जिन लोगों के घरों को बेटियां रोशन कर रही है। इन परिवारों की बेटियों को सुपरन्यूमेरिक स्कीम के तहत गुजवि के एमएससी व बीएससी कोर्सों में अब एडमिशन देने की प्रक्रिया शुरू हो गई। इस स्कीम के तहत 11 एमएसी व बीएससी कोर्सों में 11 सीटों पर लड़कियों को एडमिशन दिया जाएगा। यह पहला ऐसा अवसर होगा जब पीएचडी के बाद किसी का सुपर न्यूमेरी सीट पर एमएससी व बीएससी की सीटों पर एडमिशन किया जाएगा।

देना होगा शपथपत्र

विविं के प्रॉस्पेक्ट्स में दिए गए नियमानुसार जिस परिवार में एक या दो बेटी है। उन परिवारों की बेटियों को ही सिंगल गर्ल चाइल्ड स्कीम का लाभ मिलेगा। बस उन्हें 20 रुपये के स्टांप पर फर्स्ट क्लास मजिस्ट्रेट से शपथ पत्र बनाकर जमा करवाना होगा।

- नारी शिक्षा के विकास में गुजवि प्रशासन ने उठाया बेहतरीन कदम
- 11 कोर्सों की सुपरन्यूमेरिक सीट पर मिलेगा एडमिशन

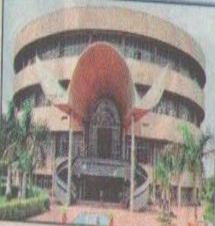

मिलेगा पार्ट टाइम इवनिंग स्कीम का लाभ

एमकॉम की 50 सीटों के साथ एक छात्रा को एडमिशन दिया जाएगा। एमबीए की किसी भी अन्य ट्रेड जैसे एमबीए, एमसीए फाइनेंस, एमबीए मार्केटिंग, एमबीए इंटरनेशनल बिजनेस, एमबीए पार्ट टाइम इवनिग में . छात्राओं को इस स्कीम का लाभ नहीं मिलेगा

एमएसी व बीएससी के इन कोर्सों में होगी स्पेशल सीट

एमएस साइकोलॉजी ,एमएससी बायोटेक्नोलॉजी सेल्फ फाइनेंस स्कीम, एमएससी माइक्रोबायोलॉजी, एमएससी इन्वायरमेंटल साइंस, फूड टेक्नोलॉजी, मॉस कम्यूनिकेशन, मैथमेटिक्स, मॉस्टर ऑफ फिजियोथेरेपी (मसक्यूलर डिसआर्डर), बेचलर ऑफ फिजियोथेरेपी में स्पेशल सीट छात्राओं के लिए निर्धारित की गई है।

इन कोर्सों में नहीं है स्पेशल सीट

एमटेक बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इन्वायरमेंट साइंस एंड इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक कम्युनिकेशन एंड इंजीनियरिंग, फूड टेक्नोलॉजी, जीओ इन्फोरमेंट, मेकेनिकल इंजीनियरिंग, नैनो साइंस एंड टेक्नोलॉजी, प्रिंटिग टेक्नोलॉजी। साथ ही एम फार्मा फार्मास्यूटिकल साइंस, फार्मास्यूटिकल, फार्मास्यूटिकोलॉजी, फार्मोजोनोमिक्स में नहीं है स्पेशल सीट का प्रावधान।

दैनिक जागरण - 7/5/2016

स्टूडेंट्स के जज्बे को सलाम...

कबाड़ी की दुकान से ढांचा खरीदा और बना दी नई पैकेजिंग मशीन

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। बाजार में नई आने वाली पैकेजिंग मशीन को जीजेयू के बीटेक प्रिंटिंग फाइनल इयर के छात्रों ने केवल 50 हजार में तैय कर दिया। इस मशीन का पूरा नाम वर्टिकल फॉम फील सील मशीन है। विद्यार्थियों ने कबाड़ में पड़ी एक पुरानी मशीन के ढांचे को खरीदा। इंटरनेट से मशीन की वर्किंग और पार्ट के बारे में जानकारी जुटाई और बाकी के पार्ट बाजार से खरीदकर उसे असेंबल कर दिया। विद्यार्थियों ने बताया कि इलायची के पैकेट की पैकिंग देखकर आइडिया आया कि चीनी जैसी चीजों को छोटे पाउच में पैकिंग कर मार्केट में उतारा जा सकता है। असिस्टेंट प्रोफेसर पंकज कुमार से आइडिया शेयर करने के बाद इस संदर्भ में एक मशीन की जरूरत थी। नई मशीन करीब 4 से 5 लाख तक की कीमत की आती है। एक मिस्त्री से संपर्क कर कबाड़ में पड़े एक पुराने मशीनी ढांचे को खरीदा गया। नए पाट्र्स डालकर उसे असेंबल कर दिया गया। यह मशीन एक मिनट में कम से कम 20 और अधिकतम 150 पाउच की पैकिंग कर देती है। वर्तमान में इस मशीन से 30 ग्राम की पैकिंग की जा सकती है। पैकिंग में प्रोडक्ट के वजन को घटाया या बढ़ाया भी जा सकता है। प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर प्रो. पंकज कुमार ने बताया कि विभाग के सात विद्यार्थियों सुमित, सुमित कुमार, सुमित, सुनील, सुनील कुमार, विजय सिंह और विकास ने मिलकर इस मशीन को बनाया है।

> चार लाख से अधिक में आने वाली मशीन को बनाया मात्र 50 हजार रु. में

> एक मिनट में 150 पाउच की पैकिंग तक कर सकती है मशीन

हिसार। जीजेयू के छात्रों द्वारा कबाड़ मशीन से बनाई गई नई पैकेजिंग मशीन।

इंटरनेट पर देखे जरूरी पार्ट्स

प्रोजेक्ट को बनाने के लिए सबसे पहले इंटरनेट पर मशीन के पार्ट्स के बारे में जानकारी ली गई। जिन पार्ट्स की जरूरत थी, उनको मार्केट में तलाश किया। मशीन बनाने के लिए सबसे मुख्य पार्ट्स मोटर और गैर बॉक्स थे, जो मार्केट में आसानी से मिल गए।

छह हजार रुपये में खरीदा ढाई क्विंटल का मशीनी ढांचा

विद्यार्थियों ने अपने प्रोजेक्ट को अमलीजामा पहनाने के लिए एक मिस्त्री की दुकान से मशीनी ढांचे के लिए संपर्क किया। वहां कबाड़ में पड़ा ढाई क्विंटल का मशीनी ढांचा उन्हें छह हजार में मिल गया। इसके बाद विद्यार्थियों ने इसके बाकी के पार्ट्स को खरीदा।

44 हजार में खरीदे अन्य पार्ट्स

विद्यार्थियों ने बताया कि मशीन बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले इलेक्ट्रिकल और अन्य पार्ट्स को उन्होंने कुल 44 हजार रुपये में खरीदा।

टाइमिंग और रजिस्ट्रेशन का बैलेंस जरूरी

प्रोजेक्ट टीम के सदस्य सुमित ने बताया कि मशीन द्वारा पैकेजिंग करते समय टाइमिंग का ध्यान रखना जरूरी है। कि प्रोडक्ट किस समय पर मशीन द्वारा बनाए गए पैकेट्स में जा रहा है। यदि सील करने वाली रॉड के बीच में प्रोडक्ट आता है तो यह सील नहीं होगा। दूसरा मशीन ने जो पैकेट्स बनाए हैं, उन पर जो रजिस्ट्रेशन नंबर होता है, उनके ऊपर सील न लगे, यह भी ध्यान रखा जाता है। इसके लिए मशीन की पूरी सेटिंग की जाती है।

अमर उजाला 13/5/16

उपलब्धि | गुजवि ईसीई के विद्यार्थियों ने तैयार किया एम्बडैड विला, आग लगे या गैस लीक हो फायर बिग्रेड को भी मिलेगी सूचना

दुनिया के किसी कोने में बैठे हो, घर देता रहेगा जानकारी

हरिभूमि न्यूज. हिसार

आप दुनिया के किसी भी कोने में गए हों, घर में दरवाजे पर आने वाले हर एक व्यक्ति की जानकारी आपको रहेगी। घर में पीछे से गैस लीक होने या आग लगने पर भी चिंता करने की जरुरत नहीं। घर में लगी डिवाइस स्वयं ही ऐसा होने पर फायर बिग्रेड और आपको सूचना भेज देगी।

ऐसे घर का मॉडल तैयार किया है गुजवि के ईसीई के विद्यार्थियों ने। घर के इस मॉडल को नाम दिया गया है एम्बडैड विला। घर पांच सिद्धांतों पर तैयार किया गया है। जिसमें सुरक्षा और सुविधाओं का खास ध्यान रखा गया है। घर के मेन डोर के साथ सीसीटीवी लगाया गया है। इसके जरिए आप घर में आने जाने वाले को अपने मोबाइल. पर भी देख पाएंगे। इसके साथ ही दुनिया के किसी भी कोने में क्यों नहीं चले जाएं। घर में क्या चल रहा है इसको भी देख सकते हैं। इसके लिए कैमरे को सिर्फ इंटरनेट से जोड़ा गया है। इस मॉडल को तैयार करने में 15 से 20 हजार खर्च हुआ है। एक घर पर यह सिस्टम लागू करने में करीब 40 से 50 हजार रुपये खर्च आएगा।

चोरी का खतरा नहीं

मेन डोर को कोई चाहकर भी नहीं खोल सकता। मुख्य द्वार को ब्लू टूथ से कनेक्ट किया है। जिस डिवाइस में ब्लू टूथ होगा, उसे एक्टिव करने बाद दरवाजा अपने आप खुल जाएगा। ब्लू टूथ को घर की इलेक्ट्रीसिटी से भी जोड़ा गया है। इससे मोबाइल डिवाइस के जरिए ही घर की छत या कुछ दूरी से आप लाइटस ऑन या ऑफ कर सकेंगे। इसके साथ ही एसी या टीवी चलाना है तो यह भी संभव होगा।

आग लगने पर देगा सूचना

घर में फायर कंट्रोल और एलपीजी सेंसर भी लगाए गए हैं। एक तय सीमा से अधिक तापमान होने पर यह डिवाइस अपने आप ही आपके मोबाइल नंबर पर आग लगने की सूचना दे देगी। अगर फायर ब्रिगेड का नंबर भी इसमें फीड है तो वहां भी मैसेज चला जाएगा। इसी तरह एलपीजी सेंसर भी काम करेगा। कोई भी गैस लीक होने पर यह आपके नंबर पर मैसेज कर देगा।

टीम में ये रहे शामिल

एम्बडैड विला को तैयार करने वाले टीम में ईसीई के एस्सिटैंट प्रोफेसर विजयपाल प्रोजेक्ट गाइड रहे। उनके साथ एस्सिटैंट प्रोफेसर सुमन दहिया प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर थी। बीटैक फाइनल के विद्यार्थी कृष्ण, अरिजय, दिनेश पूनिया, अजय और महेश ने मिलकर यह विला तैयार किया है। उनका कहना है कि घर की छत पर सोलर पैनल लगाकर भी वे रिसर्च करेंगे। जिससे दूसरी एनर्जी की जरुरत भी न रहे।

हिसार। गुजवि ईसीई के विद्यार्थियों ने तैयार किया एम्बडैड विला। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि 13/5/16

इस सत्र से जीजेयू में पांच नए कोर्स होंगे शुरू

कुलपति की अध्यक्षता में आयोजित परिषद की बैठक में लिया निर्णय

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। जीजेयू में शैक्षणिक सत्र 2016-17 से पांच नए कोर्स शुरू होंगे। इनमें पंचवर्षीय ड्यूअल डिग्री बीएससी (ऑनर्स) और एमएससी फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथेमेटिक्स, बायो टेक्नोलॉजी और दो वर्षीय एमएससी इकॉनोमिक्स शामिल हैं। यह निर्णय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में हुई शैक्षणिक परिषद की 49वीं बैठक में लिया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर उपस्थित थे।

हिसार। जीजेयू की शैक्षणिक परिषद की 49वीं बैठक की अध्यक्षता करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार एवं बैठक में मौजूद सदस्य।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इसके अतिरिक्त बैठक में सत्र 2016-17 के लिए विश्वविद्यालय की विवरणिका 2016-17 का अनुमोदन किया गया। बैठक में पीएचडी पंजीकरण, पीएचडी थीसिस जमा कराने के लिए अवधि विस्तार और पीएचडी डिग्री प्रदान करने का निर्णय भी लिया गया। बैठक में सीआरएम जाट कॉलेज हिसार के प्राचार्य, डॉ. आईएस लाखलान, विश्वविद्यालय के डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राजेश मल्होत्रा, प्रो. बीएस खटकड़, प्रो. आरके गुप्ता, प्रो. ऊषा अरोड़ा, प्रो. दिनेश चुटानी, प्रो. मिलिंद पारले, प्रो. हरभजन बंसल, प्रो. कुलदीप बंसल, प्रो. संदीप कुमार आर्य, प्रो. एसके सिंह, प्रो. नरसीराम बिश्नोई, डॉ. किशना राम बिश्नोई, डॉ. उमेश आर्य, डॉ. अंजन कुमार बराल, डॉ. मुनीष अहुजा, डॉ. टीका राम, डॉ. सतबीर, डॉ. कपिल कुमार, आरोहित गोयत, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. एसएस जोशी और एसएल सैनी उपस्थित थे।

अमर उजाला 15/5/16

जीजेयू ने बनाई एचआईवी और कैंसर की सस्ती दवा

कोलकाता की टीसीजी कंपनी के साथ मिल एचआईवी व लीवर कैंसर की दवा तैयार करने का दावा किया

मनोज कौशिक | हिसार

एचआईवी (ह्यूमन इम्युनोडिफिसिएंसी वायरस) और ह्यूमन लीवर कैंसर के इलाज के लिए अब भविष्य में ज्यादा असरकारक व सस्ती दवाएं मिल सकेंगी। इसके लिए गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के केमिस्ट्री विभाग ने कोलकाता की टीसीजी कंपनी के साथ मिलकर मेक्सिकन औषधि के अर्जिमोन मैक्सिकैना पौधे पर शोध के माध्यम से दवा तैयार करने का दावा किया है। दवा कितनी असरकारक है इसके लिए लैब यानि इनविट्रो तौर पर प्रयोग करके भी देखा गया जो कि सफल प्रशिक्षण रहा है। भारत में रसायन विभाग में एनिमल पर परीक्षण बैन होने के कारण अब इस दवा मानव या एनिमल शरीर पर प्रयोग करके देखने के लिए विदेश भेजा गया है। चार से पांच साल के लंबे समय में रसायन विज्ञान विभाग (केमिस्ट्री डिपार्टमेंट) के डीन एकेडमिक कॉलेज अफेयर एवं प्रोफेसर राजेश मल्होत्रा ने इस प्रोजेक्ट पर काम करते हुए यह सफलता पाई है। अनुबंध के तहत कोलकाता और जीजेयू मिलकर काम कर रहे हैं। प्रो. मल्होत्रा ने बताया कि दवा का परीक्षण पुणे में किया गया है, शोध का प्रकाशन यूरोप और अमेरिका के जरनल में भी हो चुका है। विभाग चेयरमैन प्रो. जेबी दहिया ने कहा कि विभाग 1994 में शुरू हुआ था और तब से हर प्रोफेसर दो से तीन प्रोजेक्ट पेटेंट करवा चुका है।

दवा इसलिए ज्यादा असरदायक और सस्ती

शोधकर्ताओं ने बताया कि एचआईवी और लीवर कैंसर के लिए मेक्सिकन औषधि पौधे अर्जिमोन मैक्सिकैना से केमिकल की दवा बनाई जा रही है। इसकी खेती मैक्सिको के अलावा अमेरिका, इथोपिया और भारत में होती है। पौधे के करीब डेढ़ किलोग्राम सूखे इस डेढ़ किलोग्राम सूखे एक्सट्रैक्ट से मात्र 20 मिलीग्राम एसिटोनाइलहाइड्रो क्लीथरीन पदार्थ निकलता है और इसी से एचआईवी एंटी दवा बनती है। वे इस पदार्थ के ऑप्टिकली एक्टिव आइसोमर व इनके सक्रीय भाग की पहचान करने केमिकल से इस भाग का संकलन करके इसे बढ़ाया जा रहा है। इसलिए अब डेढ़ लाख रुपये में मिलने वाला 20 मिलीग्राम एसिटोनाइलडिहाइड्रो क्लीथरीन बहुत ही कम कीमत में मिल रहा है।

ओर्गो मेटेलिक केमेस्ट्री विधि से चार बीमारी की बनाई दवा

प्रो. राजेश मल्होत्रा, प्रो. जया देवी व प्रो. सोनिका ने ओर्गो मेटेलिक केमिस्ट्री शोध विधि से भी एचआई; एंटी लीवर कैंसर, एंटी फंगल व एंटी बेक्टरियल चार बीमारी के लिए दवा तैयार की है। उन्होंने बताया कि यह इस तरह की केमिस्ट्री है, जिसमें केमिकल कंपाउंड कार्बन, ऑक्सीजन, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन आदि में मेटल आयरन, चांदी, सोना, कॉपर आदि तत्वों को मिला दिया जाता है। जिससे केमिकल की क्षमता और एक्टिवेशन बढ़ जाता है। लेकिन मेटल में ज्यादा टॉक्सिन नुकसानदायक होते है इसलिए इनका संतुलन रखना सबसे ज्यादा जरूरी होता है। स्वस्थ रहने के लिए शरीर में संतुलित मात्रा में मेटल का होना अनिवार्य होता है। इससे शरीर को ताकत मिलती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। बेक्टीरिया के कारण होने वाली जानलेवा बीमारी, त्वचा संबंधी रोग के इलाज के लिए भी यह दवा उपयोगी है।

एचआईवी और कैंसर की उपचार में ये दिक्कत

इम्युनोडिफिसिएंसी वायरस से एचआईवी होता है। तो शरीर में कोशिकाएं बढ़ने से कैंसर की बीमारी हो जाती है। इन बीमारियों की रोकथाम के लिए तो उपचार किए जा सकते हैं। लेकिन इनका पूर्ण तय इलाज बहुत ही कम संभव हो पाता है। सबसे अहम बात यह है कि इन बीमारियों के इलाज के लिए आने वाली दवाइयां बहुत ही मंहगी होती है। इसलिए जो लोग साधन संपन नहीं होते वो इलाज करवाने में असमर्थ होते हैं।

दैनिक भास्कर- 21/5/2016

प्लेसमेंट की जानकारी को नहीं काटने पड़ेंगे सेल के चक्कर

जीजेयू का ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग बना रहा वेबसाइट

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। जीजेयू के विद्यार्थियों को नए सत्र से अपनी प्लेसमेंट को लेकर बार-बार प्लेसमेंट सेल के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। प्लेसमेंट से संबंधित सारी जानकारी उन्हें अब अपने फोन पर ही मिलेगी। प्लेसमेंट कब, कहां और किस विभाग के विद्यार्थियों के लिए होगी और कौन सी कंपनी प्लेसमेंट के लिए आएगी। इसकी सूचना विद्यार्थियों को उनके फोन पर ही मिल जाएगी।

दरअसल जीजेयू का ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल एक वेबसाइट बना रहा है। प्लेसमेंट से संबंधित सभी जानकारी विद्यार्थी वेबसाइट पर ही देख पाएंगे। इस वेबसाइट को विश्वविद्यालय की मूल वेबसाइट के साथ ही लिंक किया जाएगा। विद्यार्थियों को इसके लिए वेबसाइट पर अपना रजिस्ट्रेशन करना होगा। रजिस्ट्रेशन करने के साथ विद्यार्थियों को इस पर अपना बायोडाटा और डॉक्यूमेंट को भी डालना होगा। रजिस्टर्ड विद्यार्थियों को ही समय समय पर आने वाली कंपनियों की जानकारी विद्यार्थियों को एसएमएस और ई-मेल द्वारा भी दी जाएगी।

यही नहीं जो विद्यार्थी अपना डाटा वेबसाइट पर अपलोड करेंगे। उन्हें ही इंटरव्यू में बैठने दिया जाएगा। इस वेबसाइट को बनाने के लिए टीचर और विद्यार्थियों को ही कोर्डिनेटर बनाया जाएगा, जोकि वेबसाइट बनाने का काम पूरा करेंगे।

नए सत्र तक हम ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट की एक वेबसाइट बना लेंगे, जिसे जीजेयू की मूल वेबसाइट पर ही लिंक किया जाएगा। इस वेबसाइट पर प्लेसमेंट से संबंधित सभी जानकारियां विद्यार्थियों को मिल जाएंगी, जिससे उन्हें बार-बार प्लेसमेंट सेल के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

\- एचसी गर्ग, निदेशक, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल जीजेयू

नए डाटा को किया जा सकेगा अपडेट

वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन करने के बाद उसमें नए डाटा को अपडेट भी किया जा सकेगा, लेकिन उसकी भी कुछ शर्तें होंगी। समय पर आने वाले रिजल्ट और अन्य नई चीजों को ही अपडेट किया जा सकेगा। एक बार डाले गए डाटा को अपडेट नहीं किया जा सकेगा।

अमर उजाला - 16/5/2016

फाने-पराली से बनेगा जैव ईंधन

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक प्रो. नरसीराम बिश्नोई शोध में जुटे

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। फसलों की अवशेष फाने-पराली से परेशान प्रदेशवासियों को यह खबर राहत देने वाली है। गेहूं, धान व अन्य फसलों के बचे हुए अवशेष से जैव ईंधन बनाया जाएगा। इससे खेतों में फाने-पराली जलाने वाले किसान अब अवशेषों को सहेजकर रखेंगे। यानी आम के आम और गुठलियों के दाम वाली कहावत जल्द ही चरितार्थ होगी। दरअसल जीजेयू के वैज्ञानिक प्रो. नरसीराम बिश्नोई गेहूं व धान से बचे हुए अवशेष से जैव ईंधन बनाने की विधि को विकसित करने में जुटे हुए हैं। इस शोध में सफलता मिलती है तो देश को जैविक ईंधन मिलने के साथ प्रदूषण की समस्या से भी बड़ी राहत मिलेगी। वर्तमान में गन्ने के अवशेष से बायोथिनॉल बनाया जा रहा है, जिसे पेट्रोल में दस प्रतिशत मिलाया जाता है। इस तरह फसलों के अवशेष से भी बायोथिनॉल यानी जैविक ईंधन बनाया जाएगा। यदि यह प्रयोग सफल हुआ तो किसान फसलों के अवशेष नहीं जलाएंगे, बल्कि जैविक ईंधन बनाने के लिए अवशेषों को बेचकर पैसे कमा सकेंगे।

कौन है प्रो. नरसीराम बिश्नोई

प्रो नरसीराम बिश्नोई जीजेयू के पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष व ऊर्जा के गैर परंपरागत स्रोत व पर्यावरण विज्ञान के संकाय पूर्व डीन रह चुके हैं। बिश्नोई के राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 108 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। पिछले वर्ष राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी नेसा ने बिश्नोई को बेस्ट साइंटिस्ट अवार्ड 2015 से सम्मानित किया है।

देश भर में प्रतिवर्ष 350 मिलियन टन अवशेष : देश भर में प्रतिवर्ष 350 मिलियन टन अवशेष कृषि फसलों से निकलता है। इसमें से अकेले 200 मिलियन टन अवशेष गेहूं और धान का होता है। अधिकांश अवशेषों को किसान अनुपयोगी मानकर जला देते हैं। इससे वायु प्रदूषण बढ़ जाता है।

वहीं भूमि की उत्पादन क्षमता कमजोर हो जाती है। एक टन अवशेष जलाने से करीब 1407 किलो कार्बन डाइ ऑक्साइड निकलती है। वहीं सल्फर डाई ऑक्साइड, कार्बन मोनो ऑक्साइड आदि गैसें भी निकलती हैं। एक स्वस्थ्य व्यक्ति प्रतिदिन 18 किलो ऑक्सीजन लेता है। ऐसे में वातावरण के प्रदूषण होने का असर सबसे ज्यादा मानव स्वास्थ्य पर पड़ता है।

अमर उजाला 6/5/16

पहल

कैंपस में बनेगा इंफॉर्मेशन रिसोर्स सेंटर, वीसी ने 5 लाख की ग्रांट की मंजूर

व्यापारियों को बिजनेस टिप्स देगी जीजेयू

पवन सिरोवा | हिसार

बिजनेस में पैसा आप लगाना चाहते हैं। मगर दुविधा में हैं। शुरुआत कैसे और कहां से करें। उभरते बिजनेसमैन की इस चिंता को दूर करने के लिए जीजेयू ने पहल की है। जीजेयू कैंपस में इंफॉर्मेशन रिसोर्स सेंटर बनाया जा रहा है। इस सेंटर में मैनेजमेंट गुरु कारोबार जमाने के लिए नए कारोबारियों को निशुल्क सलाह देंगे। ऐसे में वे अपने पैसे का सदुपयोग कर अच्छी शुरुआत कर सकेंगे। बहरहाल, विश्वविद्यालय ने शुरुआती दौर में सर्वे के लिए कुलपति ने 5 लाख का बजट जारी कर दिया है। इसमें उद्योग के लोकल मुद्दों को जानने और उनके समाधान के लिए खर्च किया जाएगा। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार भी कहते हैं कि इंफॉर्मेशन रिसोर्स सेंटर से युवाओं को दिशा मिलेगी।

फायदे मार्केटिंग, फाइनेंस की राह मिलेगी |

युवा हो या उद्योगपति सभी को जीजेयू के सेंटर में सरकार की उद्योग संबंधी स्कीम की जानकारी मिलेगी। कैसे कम राशि की लागत से बेहतर तरीके से व्यापार की शुरुआत कर सके। पुराने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए क्या कदम उठा सकते हैं। कैसे अपने प्रोडक्ट की मार्केटिंग करें। आपका टारगेट ग्रुप कौन सा है। आपके प्रोडक्ट की जानकारी मार्केट में कैसे प्रचारित करे। बैंक से कैसे फाइनेंस मिलेगा। सरकार की किन योजनाओं से आपके व्यापार को आर्थिक लाभ होगा। आपकी इंडस्ट्री की जरूरत के अनुसार नई तकनीक कौन सी आई है। उद्योग जगत की इन तकनीक इन सब बातों की जानकारी जीजेयू के विशेषज्ञों से मिल पाएंगी। इसके अलावा जीजेयू शिक्षक उन विशेषज्ञों के बारे में भी आपको अवगत करवाएंगे जो आपकी समस्या का समाधान कर सकते हैं।

सेंटर से जुड़ेंगे उद्योग जगत के विशेषज्ञ |

सेंटर के माध्यम से विश्वविद्यालय उद्योग की समस्याओं को जान पाएगा और उद्योग जगत के अनुसार विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देकर उन्हें तैयार कर पाएगा। इससे डिग्रीधारक युवाओं के रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उद्योग की समस्याएं दूर होंगी। जीजेयू के विद्यार्थियों को कम्पनी की समस्याओं के समाधान के लिए ट्रेनिंग पर भी भेजा जाएगा। जिससे वे कंपनी को भी जान पाएंगे और उनमें रोजगार संबंधी अवसर की पहचान भी कर पाएंगे। सेंटर से बिजनेस विशेषज्ञ के अलावा उद्योग जगत से जुड़े हर विभाग के विशेषज्ञ और सलाहकारों को भी जोड़ा जाएगा।
-डॉ. एनके बिश्नोई, अध्यक्ष, बिजनेस डवलपमेंट ग्रुप।

ये मिलेगी जानकारी

- व्यापार कैसे जारी रखें।
- क्या-क्या इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरी।
- कितनी रकम में व्यापार शुरू।
- सबसिडी कहां-कहां से मिल सकती है।
- उद्योग संबंधी योजनाएं क्या हैं।
- मार्केटिंग कहां और कैसे करें।
- एम्पलॉयर को कैसे प्रशिक्षित करें।
- बाजार में नई तकनीक कौन सी है।
- कौन सी मशीनें लंबे समय तक लाभकारी हो सकती है।
- विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान मिल सकता है।
- शिक्षक इंडस्ट्री की जरूरत पहचानेंगे। उसके अनुसार विद्यार्थियों को तैयार पाएंगे।

दैनिक भास्कर 6/5/16

चीनी संस्थान में शोध कर सकेंगे विद्यार्थी

प्रो. टंकेश्वर कुमार व प्रो. जांग शेरू एम.ओ.यू. का आदान-प्रदान करते हुए।

हिसार, 16 मई (का.प्र.): गुजवि प्रिंटिंग तकनीक विभाग के एम.टैक. विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक भी चीन के बीजिंग ग्राफिक संचार संस्थान में शोध व अध्ययन कर सकेंगे।

विश्वविद्यालय तथा संस्थान के बीच हुए मैमोरेंडम ऑफ अंडरस्टेंडिंग का विस्तार किया गया है। नए एम.ओ.यू. पर बीजिंग ग्राफिक संचार संस्थान की ओर से निदेशक प्रो. जांग शेरू तथा उनके साथ उनकी टीम के सदस्य प्रो. लुओ जेक तथा ए.आई.एफ. एम.पी. के वाइस प्रैजीडैंट कमल चोपड़ा तथा विवि की ओर से एम.ओ.यू. पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर उपस्थित डीन फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग प्रो. दिनेश चुटानी, प्रिंटिंग तकनीक विभाग के अध्यक्ष डा. अम्बरीष पांडेय तथा विभाग के सभी शिक्षकों ने चीन के दल का स्वागत किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि नए एम.ओ.यू. के तहत उच्चस्तरीय शोध में बहुत फायदा होगा।

गुजवि करेगा सरकारी योजनाएं बनाने में सहयोग

हिसार, 16 मई (का.प्र.): गुजवि राज्य सरकार को विकास सम्बंधी योजनाएं बनाने तथा उनके क्रियान्वयन में सहयोग देगा।

विवि ने ग्लोबल विलेज फाऊंडेशन के साथ मैमोरैंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग किया है। यह संस्था सरकार के लिए योजनाएं बनाने तथा उनके क्रियान्वयन का कार्य करती है। एम.ओ.यू. पर विवि की ओर से कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर व हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस की निदेशिका प्रो. ऊषा अरोड़ा ने तथा ग्लोबल विलेज फाऊंडेशन की ओर से चेयरमैन डा. अनिरुध राजपूत ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर बिजनेस डिवैल्पमैंट ग्रुप के हैड प्रो. एन.के. बिश्नोई उपस्थित थे।

पंजाब केसरी हिसार 17/5/16

जीजेयू कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व चीन के बीजिंग ग्राफिक संचार संस्थान के निदेशक प्रो. जांग शेरु मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग का आदान-प्रदान करते हुए।

चीन में शोध कर सकेंगे प्रिंटिंग तकनीक विभाग के छात्र-शिक्षक

...सार (ब्यूरो)। जीजेयू के प्रिंटिंग तकनीक विभाग के एमटेक के विद्यार्थी, ...र्थी व शिक्षक भी चीन के बीजिंग ग्राफिक संचार संस्थान में शोध व अध्ययन ... सकेंगे। विश्वविद्यालय तथा संस्थान के बीच हुए मेमोरेंडम ऑफ ...रस्टेंडिंग (एमओयू) का विस्तार किया गया है। नए एमओयू पर बीजिंग ...क संचार संस्थान की ओर से संस्थान के निदेशक प्रो. जांग शेरू तथा उनके ... उनकी टीम के सदस्य प्रो. लुओ जेक तथा एआईएफ एमपी के वाइस ...टे कमल चोपड़ा तथा विश्वविद्यालय की ओर से एमओयू पर ...विद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार ...ने हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया ... एमओयू के तहत अब प्रिंटिंग तकनीक विभाग तथा अन्य विभागों के ...यों के साथ-साथ शोधार्थियों व शिक्षकों को उच्चस्तरीय शोध में भी इसका ...धिक फायदा होगा। एमओयू में शैक्षणिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने तथा ...स संस्थान बनाने हेतु प्रयास के नए बिन्दु भी जोड़े गए हैं।

अमर उजाला 17/5/16

चीन में शोध अध्ययन करेंगे जीजेयू के प्रोफेसर व शोधार्थी

हिसार | जीजेयू के प्रिंटिंग तकनीक विभाग के एमटेक के विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक भी चीन के बीजिंग ग्राफिक संचार संस्थान में शोध व अध्ययन कर सकेंगे। विश्वविद्यालय तथा संस्थान के बीच हुए मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टेंडिंग का विस्तार किया गया है। नए एमओयू पर बीजिंग ग्राफिक संचार संस्थान की ओर से संस्थान के निदेशक प्रो. जांग शेरू तथा उनके साथ उनकी टीम के सदस्य प्रो. लुओ जेक तथा एआईएफ एमपी के वाइस प्रेसिडेंट कमल चोपड़ा तथा विश्वविद्यालय की ओर से एमओयू पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर उपस्थित डीन फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग प्रो. दिनेश चुटानी, प्रिंटिंग तकनीक विभाग के अध्यक्ष डॉ. अंबरीष पांडेय तथा विभाग के सभी शिक्षकों ने चीन के दल का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि नए एमओयू के तहत अब प्रिंटिंग तकनीक विभाग तथा अन्य विभागों के विद्यार्थियों के साथ-साथ शोधार्थियों व शिक्षकों को उच्चस्तरीय शोध में भी इसका बहुत अधिक फायदा होगा। एमओयू में शैक्षणिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने तथा कन्फ्यूशियस संस्थान बनाने हेतु प्रयास के नए बिंदू भी जोड़े गए हैं।

दैनिक भास्कर 17/5/16

यूथ फैस्टीवल में छाए गुजवि के छात्र

विद्यार्थियों को पुरस्कार देते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

हिसार, 19 मई (का.प्र.): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के विद्यार्थियों ने 31वीं नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी यूथ फैस्टीवल में शानदार प्रदर्शन किया है।

विश्वविद्यालय की वाद-विवाद की टीम प्रथम तथा मूक अभिनय की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वीरवार को वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम रही टीम को 12000 व मूक अभिनय प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार दिया गया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों की इस उपलब्धि ने विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। युवा कल्याण निदेशक अजीत सिंह ने बताया कि वाद-विवाद प्रतियोगिता की टीम में अभिषेक जैन व अंकित राज शर्मा शामिल थे जबकि मूक अभिनय की टीम में अखिलेश नारायण, अनुरंजन कुमार, पंकज सैनी, अनुप्रिया धीमान, कृतिका भारद्वाज व सुमन लौरा शामिल थीं। इस अवसर पर कुलपति के सचिव एस.एल. सैनी उपस्थित थे।

जी.जे.यू. में शुरू हुई परीक्षा

हिसार, 19 मई (का.प्र.): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी इन्फॉर्मेशन एंड कम्प्यूटर सैंटर में वीरवार से डी.ई.टी., एम.सी.ए. तथा बी.टैक. एल.ई.ई.टी. की परीक्षाएं आरंभ हो गईं। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने परीक्षाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि परीक्षाओं के दौरान पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता बरती जा रही है। यूनिवर्सिटी इन्फॉर्मेशन एंड कम्प्यूटर सैंटर के हैड मुकेश कुमार ने बताया कि परीक्षाओं का परिणाम परीक्षा संचालन के तुरंत बाद घोषित कर दिया जाता है।

निरीक्षण करते प्रो. टंकेश्वर कुमार।

पंजाब केसरी हिसार - 20/5/2016

वाद-विवाद और मूक अभिनय टीम सम्मानित

जासं, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का 31वीं नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी यूथ फेस्टीवल में शानदार प्रदर्शन रहा। विश्वविद्यालय की वाद-विवाद की टीम प्रथम और मूक अभिनय टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। यह फेस्टीवल 14 से 18 जनवरी तक पीएयू लुधियाना में हुआ। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वीरवार को वाद-विवाद में प्रथम रही टीम को 12 हजार और मूक अभिनय में द्वितीय रही टीम को 10 हजार रुपये का पुरस्कार दिया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस उपलब्धि ने गुजवि का नाम गौरवान्वित किया है। कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने भी विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी। युवा कल्याण निदेशक अजीत सिंह ने बताया कि वाद-विवाद की टीम में अभिषेक जैन व अंकित राज शर्मा और मूक अभिनय टीम में अखिलेश नारायण, अनुरंजन कुमार, पंकज सैनी, अनुप्रिया धीमान, कृतिका भारद्वाज व सुमन लौरा शामिल थी। इस अवसर पर कुलपति के सचिव एसएल सैनी उपस्थित थे।

विजेता विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार से सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

गुजवि में परीक्षाएं शुरू, कुलपति ने किया निरीक्षण

हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के यूनिवर्सिटी इन्फोर्मेशन एंड कंप्यूटर सेंटर में वीरवार से डीईटी, एमसीए और बीटेक एलईईटी की परीक्षाएं आरंभ हुई। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने परीक्षाओं का निरीक्षण किया। यूनिवर्सिटी इन्फोर्मेशन एंड कंप्यूटर सैंटर के हेड मुकेश कुमार ने बताया कि इस वर्ष डीईटी की परीक्षा 19 मई, 20 मई व 23 मई को हो रही है। वह एमसीए की परीक्षा 26 मई को होगी। बीटेक एलइइटी की परीक्षाएं 30 मई व 31 मई और एक से चार जून तक होंगी। परिणाम तुरंत बाद घोषित कर दिया जाता है।

दैनिक जागरण 20/5/2016

यूक्रेन के साथ प्लास्टिक को डी-ग्रेड करने की विधि तलाश करेगी जीजेयू

मल्टी वेस्ट को शोध से डी-ग्रेड करने के लिए जीजेयू के बायो नैनोटेक और यूक्रेन के बीच एमओयू

मनोज कौशिक | हिसार

पर्यावरण प्रदूषण व मनुष्य के शरीर में बीमारी फैलाने के लिए जिम्मेदार मल्टी वेस्ट की समस्या से निजात दिलाने के लिए जल्दी ही काम शुरू किया जाएगा। इसके लिए जीजेयू के बायो नैनोटेक व यूक्रेन के बीच एक तीन साल का एमओयू यानि करार हुआ है। इस अवधि में दोनों जगह के वैज्ञानिक मल्टी वेस्ट को डी-ग्रेड करने के लिए बैक्टिरीया यानि सूक्ष्म जीवों पर शोध करने का काम करेंगे। सबसे बड़ी खास बात तो ये है कि शोध में न केवल उन वेस्ट को डी-ग्रेड करने का काम किया जाएगा, जिनका कंपोस्ट बनाया जा सकता है, बल्कि प्लास्टिक जैसी कठोर वस्तु को भी डी-ग्रेड करने की विधि तलाशी जाएगी। साथ ही पॉलीथिन के निस्तारण के लिए भी काम हो सकेगा। यह काम करने के लिए शोध अवधि में उन बैक्टिरिया की तलाश की जाएगी जो एक साथ मिलकर वेस्ट को डी-ग्रेड करने का काम कर सकें। बायो नैनोटेक विभाग की अध्यक्ष डॉ. नमिता ने बताया कि ऐसे बेक्टीरिया न केवल देश से बल्कि दुनिया भर में खोजे जाएंगे। यह काम भी जीजेयू ही करेगा। इसके बाद इन सबका परीक्षण यूक्रेन में किया जाएगा।

डी-ग्रेड का बनेगा इको फ्रेंडली नेचर

प्लास्टिक, रबर, पॉलिथीन, केमिकल या अन्य तरह की सभी वस्तुएं जिन्हें बनाए जाने से पहले यह अलग अलग घटकों में बंटी होती है। इन सभी के मिश्रण के बाद ही यह ठोस या तरल या अन्य प्रकार में तैयार होती है। कंसोर्सिया विधि से इन चीजों के घटकों को अलग अलग कर दिया जाएगा और स्थिति वहीं आ जाएगी जहां से वस्तु का निर्माण हुआ था। ऐसा होने से घटक प्रकृति में उड़ेंगे, जिन्हें पौधे अवशोषित कर लेंगे। तो इनका हानिकारक प्रभाव कम होगा और यह घटक पौधों के लिए न्यूट्रीशियन का काम करेगा। मल्टी कंपोनेंट में सब्जी, दूध, साबुन, तेल जैसे पदार्थों में हर किसी का अलग नेचर होता है, इसलिए सूक्ष्म जीव भी मिश्रित तरीके से काम करेंगे।

कंसोर्सिया विधि से होगा डी-ग्रेड करने का काम

शहर से निकलने वाले मल्टी वेस्ट में घर का कचरा, कॉस्मेटिक वस्तुएं, बायो वेस्ट जैसे वेस्ट को डी-ग्रेड करने के लिए काम किया जाएगा। डॉ. आरके यादव ने बताया कि कंपोस्ट बनाने के अलावा प्लास्टिक व अन्य तरह के वेस्ट को डी-कंपोज यानि रिसाइकिल किया जा सकता है। एक नहीं ऐसे कई बैक्टिरिया को इकट्ठा करके डी-ग्रेड करने का काम किया जाएगा। इस विधि को कंसोर्सिया कहते हैं।

वेस्ट इसलिए है हानिकारक व बड़ी चुनौती

जिन वेस्ट का खाद बन सकता है उनसे इतना खतरा नहीं है, लेकिन प्लास्टिक व पॉलिथीन जैसे पदार्थ जो सालों साल खत्म नहीं होते और समय के साथ साथ फैलते और बढ़ते जा रहे हैं। पॉलीथिन खेत में जाने के कारण जमीन को खराब कर रहें हैं। इन्हें जलाने से कार्बन मोनोआक्साइड, मीथेन, नाइट्रोजन जैसी कई प्रकार की जहरीली गैस निकलती है जिससे मनुष्य में बीमारी फैलने के अलावा पर्यावरण दूषित होता है। साथ ही पशु इसे खा लेते हैं तो उनकी मौत हो जाती है। इसके अलावा साबुन का पानी, दवाइयां व बायो वेस्ट को जमीन में दबाने से आसपास का क्षेत्र भी बंजर बन जाता है। साथ ही जमीन पर भी यह बुरा प्रभाव डालते हैं।

यूक्रेन के वैज्ञानिकों ने तलाशे दुर्लभ सूक्ष्म जीव

डॉ. यादव ने बताया कि वेस्ट के नेचर के हिसाब से उसे डी-ग्रेड करने का काम तो करना आसान है। लेकिन जिस वेस्ट को डी-ग्रेड करना अभी संभव नहीं हो पाया है उन्हें डी-ग्रेड करने के लिए कई सूक्ष्म जीवों को एक साथ मिलकर काम करने की जरूरत होती है। यूक्रेन के वैज्ञानिकों ने कुछ दुर्लभ सूक्ष्म जीव तलाशे हैं, जो एक साथ मिलकर काम कर सकते हैं और जो कठोर वस्तुओं को भी डी-ग्रेड करने का काम कर सके। अब जीजेयू की मदद से इस प्रोजेक्ट पर विस्तृत और विशेष रूप से काम हो सकेगा। इसके लिए अनुदान भी मिला है।

दैनिक भास्कर - 23/5/2016

र्यावरण संरक्षण की गंभीर चुनौतियों से निपटने के उपाय खोजें : मनो

ट्टर ने किया गुजवि में लड़कों के छात्रावास नम्बर-4 विवेकानंद भवन का उद्घाटन

, (राज पराशर):
ालय के शिक्षक विद्यार्थियों
त विकास के साथ-साथ
व संस्कारों का भी विकास
क वे जीवन में उच्च आदर्श
करते हुए महान नागरिक बन
श्वविद्यालय विद्यार्थियों को
न बनाएं कि वे स्वयं अपना
करने में कामयाब हो सकें।
मुख्यमंत्री मनोहर लाल
गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं
विश्वविद्यालय हिसार के
में आयोजित एक कार्यक्रम
विद्यालय परिवार को संबोधित
कही। इससे पूर्व उन्होंने
ालय में लड़कों के छात्रावास
नम्बर-4 (विवेकानंद भवन) का उद्घाटन किया और सी व डी-टाइप मकानों का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के एलुमनाई एसोसिएशन विभाग की वेबसाइट का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। बाद में मुख्यमंत्री ने नारनौंद में आयोजित विकास रैली को भी संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि महान पर्यावरणविद् गुरु जम्भेश्वर जी महाराज के नाम से स्थापित इस विश्वविद्यालय को पर्यावरण संरक्षण की गंभीर चुनौतियों से निपटने के

कार्यक्रम

कौशल विकास के साथ-साथ नैतिकता व संस्कारों का भी विकास करें

उपाय खोजने चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाना और पाठयक्रम उत्तीर्ण करवाना उतना मुश्किल नहीं है जितना उन्हें कार्यकुशल व अच्छा इंसान बनाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से देशवासियों व युवाओं के कौशल विकास को बढ़ाने की नीतियां बना रहे हैं। कृषि एवं पशुपालन मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज के दौर में जल संरक्षण, प्रदूषण, खाद्य पदार्थों की बर्बादी और गौमाता की दुर्गति जैसी अनेक ऐसी चुनौतियां हैं जिनका समाधान विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ और वैज्ञानिक खोज सकते हैं तथा सरकार की मदद कर सकते हैं। मुख्य संसदीय सचिव डॉ. कमल गुप्ता ने गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को हरियाणा का श्रेष्ठ विश्वविद्यालय होने तथा देशभर के तकनीकी विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान पाने पर विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी तथा इसे हिसार का गौरव बताया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने स्वागत सम्बोधन में कहा कि यह विश्वविद्यालय 2002 से नैक द्वारा 'ए' ग्रेड प्राप्त विश्वविद्यालय है। कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर महर्षि दयानंद विवि, रोहतक के कुलपति प्रो. बीके पूनिया, चौ. देवीलाल विवि के कुलपति डॉ. राधेश्याम शर्मा, मुरथल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.के. दहिया व अल्मनाई रिलेशन्स विभाग के डीन प्रो. एम.एस. तुरान सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक व अन्य स्टाफ सदस्य भी उपस्थित थे।

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में सी व डी टाइप मकानों का शिलान्यास करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर। (छाया:पाराशर)

पंजाब केसरी
दिल्ली
8/5/16